इलाहाबाद विश्वविद्यालय

कला संकाय

मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास विभाग

व्याख्यान सूची

(2012–13)

बी० ए० तृतीय भाग

विषय (क) मध्यकालीन इतिहास

(ख) आधुनिक इतिहास

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)
मध्यकालीन एवम् आधुनिक इतिहास
व्याख्यान सूची

आवश्यक सूचना :

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्नपत्रो में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न एवम् कुल दस प्रश्न होंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न एवम् कुल पाँच प्रश्न करने होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक विश्व (1789–1950)

(यह प्रश्नपत्र मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए समान है।)

इकाई 1 : यूरोप में क्रान्ति एवम् प्रतिक्रिया का युग (1789–1830)

1. 1789 में विश्व की परिस्थिति का सिंहवालोकन; फ्रान्स की क्रान्ति की संस्थागत, बौद्धिक एवं तत्कालिक पृष्ठभूमि; क्रान्ति का प्रारम्भ तथा राष्ट्रीय सभा का कृतित्व।
2. राष्ट्रीय कन्वेशन तथा डाइरेक्टरी के कार्यकालों के घटनाक्रम; नेपोलियन का उदय तथा उसके द्वारा फ्रान्स का पुनर्गठन।
3. नेपोलियन के अधीन फ्रांस का विस्तार तथा उसकी साम्राज्यीय नीति; उसके साम्राज्य के विघटन के कारक; क्रान्ति तथा नेपोलियन–युग का महत्व।
4. वियना महासम्मेलन (Congress) तथा वियना की व्यवस्था; यूरोप की संयुक्त व्यवस्था तथा मेटरनिख व्यवस्था के उद्देश्य एवम् कार्य।
5. औद्योगिक क्रान्ति की प्रगति एवम् प्रभावों का सर्वेक्षण (1870 तक); यूरोप में राष्ट्रवाद एवम् उदारवाद का उदय तथा 1830 की क्रान्तियाँ।

इकाई 2 : यूरोप में उदारवाद एवम् राष्ट्रवाद तथा नव–साम्राज्यवाद (1830–1914)

1. यूरोप में साम्राज्यवादी विचारों एवम् आन्दोलनों का उदय व प्रसार; 1848 की क्रान्तियों के स्रोत, पृष्ठभूमि, एवम् प्रभाव; ब्रिटेन में उदारवादी प्रजातन्त्र का विकास।
2. इटली के एकीकरण के चरण तथा मात्सीनी, कावूर, गैरीबॉल्डी एवम् नेपोलियन तृतीय की भूमिका। जर्मनी के एकीकरण का गतिक्रम (1815–1848), उदार राष्ट्रवादियों के प्रयत्न तथा जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका।
3. *ऑस्ट्रियाई साम्राज्य* (प्रायः 1848 से) : राष्ट्रवादी आकांक्षाओं के प्रति नीति, 1867 की सन्धि (*आउसग्लाइष*) व उसके परिणाम। *रूसी साम्राज्य* (प्रायः 1860 से) : सुधारवादी प्रयास व दमन की नीति, 1905 की क्रान्ति तथा उसका उत्तरवर्त।
4. *उसमानी तुर्क साम्राज्य* (प्रायः 1848 से) : ग्रीस के स्वतन्त्रता संग्राम (1821) से बर्लिन महासम्मेलन (1878) तक 'पूर्वी समस्या' के प्रमुख प्रसंग; बाल्कन क्षेत्र में उत्तर–1878 समस्याएँ तथा उसमानी तुर्क साम्राज्य पर उनके प्रभाव।
5. नव–साम्राज्यवाद का उद्भव तथा यूरोपीय देशों का उपनिवेशों के लिए प्रतिद्वन्द्व (1870 से); यूरोपीय प्रतिस्पर्धाएँ, सन्धियों की व्यवस्था तथा प्रथम विश्वयुद्ध का प्रारम्भ।

इकाई 3 : उद्योग एवं साम्राज्य के युग में यूरोपेतर विश्व (1919 तक)

1. *संयुक्त राज्य अमेरिका* (प्रायः 1860 से) : गृह–युद्ध की पृष्ठभूमि, आर्थिक प्रगति तथा विश्व शक्ति के रूप में उत्कर्ष।

2. *चीन* (प्रायः 1836 से) : अफीम युद्ध तथा चीन में उन्मुक्त आवागमन का सुनिश्चय; पश्चिम–विरोधी आन्दोलन एवम् आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास; 1911 की क्रान्ति एवं उसका उत्तरावर्त।
3. *जापान* (प्रायः 1854 से) : तोकूगावा शोगुन–व्यवस्था का पतन व 'माइजी पुनर्स्थापन'; जापान का आधुनिकीकरण, क्षेत्रीय प्राधान्य व विश्वशक्ति के रूप में उत्कर्ष।
4. प्रथम विश्वयुद्ध के प्रमुख चरण; पेरिस की शान्ति व्यवस्था (1919)।
5. रूस की 1917 की क्रान्ति की पृष्ठभूमि; बोल्शेविक सत्ता की स्थापना एवम् सुदृढ़ीकरण (1924 तक); लेनिन की भूमिका तथा क्रान्ति का महत्व।

इकाई 4 : अन्तर्विश्वयुद्ध काल में विश्व (1914–1945)

1. इटली की फाशीवदी सत्ता एवं जर्मनी की नात्सी सत्ता के विशेष सन्दर्भ में यूरोप में अधिनायकवादी राज्य व्यवस्थाओं के उद्भव के कारक।
2. राष्ट्रसंघ तथा अन्तर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा एवम् सहयोग हेतु उसके कार्य; महान अन्तर्राष्ट्रीय मन्दी तथा विश्व व्यवस्था पर उसके प्रभाव।
3. स्तालिन के नेतृत्व में सोवियत संघ का विकास; संयुक्त राज्य अमेरिका में 'न्यू डील' की पृष्ठभूमि एवं प्रभाव।
4. कमाल अतातुर्क तथा तुर्की का आधुनिकीकरण; औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रवादी प्रतिक्रियाओं का सर्वेक्षण (1870–1939)।
5. *चीन* (प्रायः 1919 से) : कुओ–मिनतांग का उदय तथा उसकी नीतियाँ; कुओ–मिनतांग के साम्यवादी दल से संघर्ष के कारण एवम् उसका गतिक्रम (1949 तक)। *जापान* (प्रायः 1919 से); संविधानवाद का अवसान तथा सैनिक फाशीवाद का उत्कर्ष; जापानी साम्राज्य का उत्थान एवम् पतन (1931–1945)।

इकाई 5 : नवीन विश्व व्यवस्था का आगमन (1939–1950)

1. एशिया में औपनिवेशिक राष्ट्रवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; लातीनी अमेरिका एवम् औपनिवेशिक अफ्रीका की व्यापक परिस्थितियाँ।
2. अन्तर्राष्ट्रीय संकट के मुख्य कारक एवम् प्रसंग (1933 से); द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रारम्भ के कारकों तथा युद्ध के प्रमुख चरणों की समीक्षा।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध का तात्कालिक उत्तरवर्त; शान्ति सन्धियाँ; संयुक्त राष्ट्र की स्थापना तथा उसके प्रारम्भिक कार्य
4. शीत युद्ध का विकास तथा उसकी घटनाएँ (1945–1950); उपनिवेश–विग्रह (वि–उपनिवेशीकरण) तथा नवीन राष्ट्रों का उदय।
5. विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग की प्रगति (1900 से); 1950 में विश्व की परिस्थितियों का सिंहावलोकन।

संस्तुत पुस्तकें

1. E.M. Burns & R. Ralph : *World Civilizations Part-C.*
2. C.D.M. Ketelbey : *A History of Modern Tines from 1789.* सी0डी0 एम0 केटेलबीः *आधुनिक काल का इतिहास।*
3. R.R.Palmer, Joel Colton and Lloyd Kramer : *A History of the Modern World*
4. W.C. Langsam : *The World Since1919*
5. दीना नाथ वर्मा : *आधुनिक विश्व*
6. David Thompson : *Europe since Napoleon*
7. E. Lipson : *Europe in the Nineteenth and Twentieth Centuries.* (ई0 लिपसन : *उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में यूरोप)*
8. C.D. Hazen : *Moderrn Europe(*सी0डी0 हेज़नः *आधुनिक यूरोप का इतिहास)*
9. C.J.H. Hayes : *Modern Europe up to 1870.*

10. C.J.H. Hayes : *Contemporary Europe from 1870*
11. H.M. Vinacke : *A History o f the Far East in Modern Times.* एच0 एम0 विनाके : सुदूर पूर्व का आधुनिक इतिहास
12. John K. Fairbank, Edwin O. Reischauer and Albert M. Craig: *East Asia- Tradition and Transformation.*
13. P.H. Clyde and B.F. Beers : *The Far East.* (पी0एच0 क्लाइड : *सुदूर पूर्व)*
14. H.C. Jain and K.C. Mathur : *World History-A Survey*. (एच0सी0 जैन एवम् के0सी0 माथुर : *विश्व इतिहास–एक सर्वेक्षण*)
15. *The New Cambridge Modern History (Vol. 7-13)*.

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र द्वितीय (क)

मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक संस्थाएं तथा सामाजिक एवम आर्थिक जीवन, 1206–1740

(यह प्रश्नपत्र केवल मध्यकालीन इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : मध्यकालीन भारत में अफगान राजनैतिक सिद्धांत तथा संस्थाएं

1. राजत्व सिद्धान्त : तुर्की एवं अफगान सुल्तानों के अन्तर्गत विकास।
2. मुगल राजत्व सिद्धान्त : अबुल फज़ल के विचार।
3. केन्द्रीय प्रशासन : दिल्ली के सुल्तानों एवं मुगल सम्राटों के अन्तर्गत विकास।
4. प्रान्तीय प्रशासन : दिल्ली के सुल्तानों एवं मुगल सम्राटों के अन्तर्गत विकास।
5. मराठा प्रशासन : शिवाजी के अन्तर्गत विकास।

इकाई 2 : मध्यकालीन भारत की भूमि व्यवस्था

1. सल्तनतकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : अलाउद्दीन खलजी एवं मुहम्मद बिन तुगलक का योगदान।
2. सूरकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : शेरशाह का योगदान, जाब्ती व्यवस्था का विकास।
3. मुगलकालीन भू–राजस्व व्यवस्था : अकबर का योगदान, जाब्ती व्यवस्था की सफलता, टोडरमल का बन्दोबस्त, आईन–ए–दहसाला।
4. मुगलकालीन भारत में जमींदार एवं जागीरदार संवर्ग : शक्तियाँ तथा विशेषाधिकार, जमींदारी प्रथा में संकट।
5. कृषीय उत्पादन व्यवस्था : सल्तनत एवं मुगल काल में विकास,मध्यकालीन भारत में कृषकों की दशा।

इकाई 3 : मध्यकालीन भारत में सैन्य संगठन

1. सल्तनत काल सैन्य संगठन का विकास : बलबन एवं अलाउद्दीन खजली का योगदान।
2. बाबर एवं हुमायूँ का सैन्य संगठन : तुलुगमा व्यवस्था, युद्धों में आग्नेयास्त्रों का प्रभाव।
3. शेरशाह का सैन्य संगठन।
4. मुगलों के अन्तर्गत सैन्य व्यवस्था; तुलुग्मा व्यवस्था; युद्ध में आग्नेयास्त्रों का प्रभाव।
5. मुगलों के अन्तर्गत मनसबदारी व्यवस्थाः मनसबदारी व्यवस्था में परिवर्तन, मनसबदारी व्यवस्था के गुण तथा दोष।

इकाई 4 : मध्यकालीन भारत में व्यापार तथा उद्योग

1. सल्तनत काल में गैर–कृषीय उत्पादनः बड़े एवम् कुटीर उद्योग।
2. मुगल काल में गैर–कृषीय उत्पादन : बड़े एवम् कुटीर उद्योग। क्या भारत सत्रहवीं शताब्दी में विश्व का शीर्षस्थ औद्योगिक राष्ट्र था?
3. सल्तनत एवम् मुगल काल में आन्तरिक व्यापार, व्यापारिक मार्ग एवं व्यापारिक वर्ग।
4. सल्तनत एवम् मुगल काल में विदेशी व्यापार : व्यापारिक मार्ग, आयात एवम् निर्यात।
5. मध्यकालीन भारत में नगरीकरण– प्रक्रिया एवं प्रभाव।

इकाई 5 : मध्यकालीन भारत में सामाजिक जीवन

1. सल्तनत काल में उमरा : संरचना, जीवन शैली, राजनीति में भूमिका।

2. मुगल काल में उमरा : संरचना, जीवन शैली, राजनीति में भूमिका।
3. मध्यकालीन भारत में उलमा : संरचना, शैक्षिक व सामाजिक भूमिका, राजनीतिक प्रभाव।
4. दिल्ली के सुल्तानों एवम् मुगल सम्राटों का सार्वजनिक एवम् व्यक्तिगत जीवन।
5. मध्यकालीन भारत में स्त्रियों की दशा– आभिजात्य वर्ग, सामान्य वर्ग।

संस्तुत पुस्तकें :

1. राधेश्याम : *मध्यकालीन प्रशासन, समाज एवं संस्कृति।*
2. घनश्याम दत्त शर्मा : *मध्यकालीन भारत सामाजिक, आर्थिक एवम् राजनैतिक संस्थाएं।*
3. जदुनाथ सरकार : *मुगल शासन प्रणाली।*
4. हरिशंकर श्रीवास्तव : *मुगल शासन प्रणाली।*
5. हेरम्ब चतुर्वेदी : *मध्यकालीन भारत में राज्य और राजनीति।*
6. पी0एल0 विश्वकर्मा : *मध्यकालीन भारत का समाज, प्रशासन एवम् आर्थिक इतिहास।*
7. I.H. Qureshi : *(i) The Administration of the Sultanate of Delhi & (ii)The Administration of the Mughal Empire.*
8. U.N. Day : *(i)Administration System of Delhi Sultanate; & (ii) The Mughal Government : AD 1556-1707*
9. R.P. Tripathi : *Some Aspects of Muslim Administration.*
10. P. Saran : *Islamic Polity.*
11. S.B.P. Nigam : *Nobility under the Sultanate of Delhi.*
12. M. Athar Ali : *Mughal Nobility under Aurangzeb.*
13. K.A. Nizami : *State and Culture in Medieval India.*
14. S.M. Jafar : *Some Cultural Aspects of Mughal Rule in India.*
15. S.N. Sen : *Administrative System of the Marathas.*
16. G.S. Sardesi: *New History of the Marathas.*
17. Tapan Raychaudhury and Irfan Habib (eds): *The Cambridge Economic History of India Vol. I.*
18. P.N. Chopra : *Social Life during the Mughal Age.*

प्रश्नपत्र द्वितीय (ख)

आधुनिक भारत का सामाजिक एवम आर्थिक इतिहास, 1740–1950

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : प्रारम्भिक औपनिवेशिक काल में सामाजिक एवम् आर्थिक परिस्थितियाँ (1813 तक)

1. साम्राज्यवाद के चरण (1947 तक)।
2. ब्रिटिश सामाजिक नीति के चरण (1947 तक)।
3. आर्थिक परिस्थितियाँ – ग्रामीण समाज, नागर जीवन, जाति सम्प्रदाय, सामाजिक अभिजन वर्ग, शिक्षा एवम् विद्यार्जन।
4. सामाजिक परिस्थितियाँ – ग्रामीण समाज, नागर जीवन, जाति सम्प्रदाय, सामाजिक अभिजन वर्ग, शिक्षा एवम् विद्यार्जन।
5. (1765 से) ब्रिटिश आर्थिक नीतियाँ, बंगाल का स्थायी बन्दोबस्त तथा उसके प्रभाव।

इकाई 2 : उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वाद्ध में सामाजिक एवम् आर्थिक परिवर्तन (1813–1860)

1. नयी–भू व्यवस्थाओं (रैयतवारी एवम् महालवारी) का विकास व उनकी विशेषताएं।
2. ब्रिटिश भू–राजस्व नीतियों के प्रभाव, कृषि के बदलते स्वरूप।
3. विदेशी व्यापार की प्रवृत्तियां;वि–औद्योगीकरण।
4. सामाजिक – धार्मिक सुधार आन्दोलनों के उद्भव के कारक; राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज; अन्य सुधार आन्दोलन; इस्लामी अनुक्रिया।
5. शैक्षिक नीति एवम् विकास; सामाजिक विधायन।

इकाई 3 : उत्तरवर्ती उन्नीसवीं व प्रारम्भिक बीसवीं शताब्दियों में औपनिवेशिक आर्थिक नीतियाँ एवम् उनके प्रभाव (1860–1915)

1. आधुनिक उद्योग तथा उद्यमिता का उद्भव एवम् विकास; विदेशी पूँजी की भूमिका।
2. ब्रिटिश औद्योगिक नीति; श्रमिक वर्ग का विकास।
3. (रेल व्यवस्था के विशेष संदर्भ में) परिवहन एवं संचार का विकास; (1757 से) आर्थिक अपग्रहण एवम् उसके प्रभाव;
4. विदेशी व्यापार का स्वरूप; प्रशुल्क नीति; अवरूद्ध आर्थिक विकास का प्रश्न।
5. कृषकों की समस्याएं; ग्रामीण ऋणबद्धता; काश्तकारी विधायन एवं उसकी परिसीमाएं (प्रायः 1850 से) कृषक एवं जनजातीय आन्दोलन।

इकाई 4 : उत्तरवर्ती उन्नीसवीं एवम् प्रारम्भिक बीसवीं शताब्दियों में सामाजिक परिवर्तन एवम् उसके परिणाम (1860–1919)

1. नवीन अभिजन वर्गों का उदय।
2. आधुनिक राष्ट्रवाद के उद्भव एवम् उदारवाद से उग्रवाद की ओर उसके संक्रमण के सामाजिक कारक।
3. समाजिक एवं धार्मिक सुधार की प्रवृत्तियाँ; क्षेत्रीय भाषाओं एवं साहित्य का विकास।
4. मुस्लिमों एवं पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन; संस्कृतकरण।
5. शैक्षिक विकास; (1939 तक) सामाजिक विधायन; महिलाओं की परिस्थिति (Status)।

इकाई 5 : सामाजिक एवम् आर्थिक संक्रमण तथा साम्राज्यवाद का अवसान (1919–1950)

1. (1939 तक) औद्योगिक नीति एवम् विकास; विदेशी व्यापार तथा प्रशुल्क; विश्वव्यापी मन्दी (1929–1933) का प्रभाव।

2. कृषकों की परिस्थितियाँ एवं कृषक आन्दोलन; श्रमिक संघवाद (ट्रेड यूनियनिज्म) का विकास; क्षेत्रीय एवम् अन्य अस्मिताओं की अभिव्यक्ति।
3. गांधीवादी समाजिक विचार एवम् आन्दोलन; बाबा साहब अम्बेडकर एवं दलित आन्दोलन;
4. 1890 के दशक से साम्प्रदायिक आगठन (Mobilisation) में सामाजिक–आर्थिक कारक।
5. साम्राज्यवाद की विरासत; स्वतंत्र्योपरान्त सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ।

संस्तुत पुस्तकें :

1. ए0एल0 बैशम– *A Cultural History of India*.
2. पी0एन0 चौपड़ा, बी0एन0 पुरी व एम0एन0 दास– *The Social, Cultural and Economic History of India*.
   पी0एन0 चौपड़ा, बी0एन0 पुरी व एम0एन0 दास– *भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक इतिहास* (खण्ड तीन– आधुनिक भारत)।
3. ए0आर0 देसाई– The Social Background of Indian Nationalism.
   ए0आर0 देसाई– भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि।
4. बी0बी0 मिश्रा– *The Indian Middle Classes- Their Growth in Modern Times.*
5. आर0सी0 मजूमदार (सम्पादक) : *British Paramaountcy and the Indian Renaissance*: Part II. (*History and Culture of the Indian People, Volume X*).
6. रमेश चन्द्र दत्त – *The Economic History of India* (Volumes I & II).
   रमेश चन्द्र दत्त– *भारत का आर्थिक इतिहास* (खण्ड एक व दो)।
7. बी0वी0 सिंह– *The Economic History of India* (1857–1957)
8. डी0आर0 गाडगिल– *The Industial Evolution of India.*
9. गिरीश मिश्रा – आ*धुनिक भारत का आर्थिक इतिहास*।
10. सत्या राय – *भारत में साम्राज्यवाद और राष्टवाद*।

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र तृतीय (क)

आधुनिक भारत का सामाजिक एवम आर्थिक इतिहास, 1740–1950

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन की पृष्ठभूमि (1885 तक)

1. *ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य* : 'राष्ट्र' एवं 'राष्ट्रवाद' के तात्पर्य तथा राष्ट्रवाद के विभिन्न सिद्धान्त; भारतीय राष्ट्रवाद का इतिहास–लेखन।
2. *भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद :* ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार तथा उसकी प्रशासनिक एवं संवैधानिक संरचना (1765–1856); भारत में 1857 से पूर्व नागरिक उद्वेलनों तथा सैनिक विद्रोहों का सर्वेक्षण।
3. *1857 का विद्रोह :* दीर्घकालीन एवं तात्कालिक कारक तथा विद्रोह का गतिक्रम; विद्रोह का नेतृत्व, जन–प्रतिभाग तथा स्वरूप।
4. *विद्रोह का उत्तरवर्त (प्रायः 1900 तक)* : संवैधानिक एवं प्रशासनिक परिवर्तन तथा भारतीय रियासतों के प्रति नीति; ब्रिटिश सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों की प्रमुख विशेषताएँ।
5. *नवीन धाराएँ (1857–1914)* : मध्य वर्गों एवं नव अभिजनों का उदयः; हिन्दुओं व मुस्लिमों में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार की प्रवृत्तियाँ तथा पिछड़े वर्गों के सामाजिक आन्दोलन।

इकाई 2 : राष्ट्रीय अभ्युत्थान का उत्कर्ष (1885–1914)

1. *राष्ट्रवाद का उदय* : भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय के कारकों का विहंगम वृत्त; सामाजिक एवं वृत्तिक (Professional) संगठनों की गतिविधियाँ तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्भव।
2. *उदारवादी एवं युयुत्सु राष्ट्रवाद* : नम्रवादियों (नरमपंथ) की विचारधारा एवं कार्यक्रम; युयुत्सु (Militant) राष्ट्रवाद के विकास के कारक तथा चरमपंथियों (गरमपंथ) की विचारधारा एवं कार्यक्रम।
3. *साम्प्रदायिक विभाजन* : (1890 के दशक से) साम्प्रदायवादी प्रवृत्तियाँ एवं विवाद; मुस्लिम लीग की स्थापना एवं कार्यक्रम।
4. *ब्रिटिश प्रत्युत्तर* : 'बंगभग' एवं अन्य राष्ट्रवाद विरोधी उपाय; भरत परिषद अधिनियम 1909 के उद्देश्य एवं प्रावधान तथा उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना।
5. *राष्ट्रवाद की प्रगति* : स्वदेशी एवं बंगभंग–विरोधी आन्दोलनों की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम, 'सूरत विग्रह' तथा राष्ट्रीय आन्दोलन पर उसका प्रभाव कृषक असंतोष तथा भारत में एवं उसके बाहर क्रान्किारी राष्ट्रवाद का विकास एवं विस्तार।

इकाई 3 : राष्ट्रवाद का अग्रगमन (1914–1935)

1. *प्रथम विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रीय आन्दोलन* : होम रूल आन्दोलन तथा कांग्रेस–लीग सहमति; गाँधी का आगमन तथा (1920 तक) उनके प्रारम्भिक अभियान।
2. *संवैधानिक परिवर्तन तथा राष्ट्रवादी आगठन* : भारत सरकार अधिनियम; 1919 की पृष्ठभूमि एवं प्रावधान तथा उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना; ख़िलाफत एवं असहयोग आन्दोलनों की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम।
3. *असहयोग का उत्तरवर्त* : स्वराज पार्टी तथा साम्प्रदायिक आगठन के कारक; गाँधी का रचनात्मक कार्यक्रम तथा सामाजिक आन्दोलन।
4. *सविनय अवज्ञा का आगमन* : साइमन आयोग के विरुद्ध अभियान, नेहरू रिपोर्ट तथा गोल मेज़ सम्मेलन; सविनय अवज्ञा आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवं गतिक्रम तथा 'पूना सहमति'।
5. *नवीन प्रवृत्तियाँ (1919 से)* : कृषक व श्रमिक आन्दोलनों एवं 'वाम' का विकास तथा उनकी भूमिका; क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद का पुनरुत्थान तथा राष्ट्रीय आन्दोलन में उसका स्थान।

इकाई 4 : साम्राज्य का प्रतिगमन (1935–1947)

1. *नया संवैधानिक विन्यास* : भारत सरकार अधिनियम 1935 के प्रावधान, उसकी राष्ट्रवादी प्रत्यालोचना तथा उसके कार्यसंचालन की समीक्षा; रियासतों के प्रति बिटिश नीति की विशेषताएं एवं उसके उद्देश्य (1919–1947)।
2. *विश्व संघर्ष का आगमन* : 1935 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों के कृतित्व का मूल्यांकन, प्रान्तीय मन्त्रिमण्डलों के पदत्यागोपरान्त राष्ट्रवादी अभियान तथा ब्रिटिश राजनीतिक उपक्रम (1939–1942)।
3. *राजनीतिक विसम्मति* : मुस्लिम लीग की नतियाँ एवं गतिविधियाँ (1928–1945); (1942 से) ब्रिटिश नीतियों एवं कांग्रेस कार्यक्रम के प्रति डॉ0 अम्बेडकर एवं साम्यवादी दल के दृष्टिकोण।
4. *द्वितीय विश्वयुद्ध की अवधि में राष्ट्रवादी प्रयत्न (1942–1945)* : 'भारत छोड़ो' आन्दोलन की पृष्ठभूमि, गतिक्रम एवं निष्पत्ति; आजाद हिन्द फौज का उद्भव, गतिविधियाँ एवं भूमिका।
5. *सत्ता–हस्तान्तरण का पदार्पण* : शिमला सम्मेलन; कांग्रेस–लीग मतभेद; कैबिनेट मिशन योजना तथा अन्तरिम सरकार का गठन; ब्रिटिश शासन विरोधी आन्दोलन, साम्प्रदायिक उपद्रव तथा भारत से प्रस्थान के ब्रिटिश निर्णय के कारक।

इकाई 5 : स्वाधीनता तथा स्वातन्त्र्योत्तर प्रसंग (1947–1950)

7- *स्वाधीनता का आगमन* : माउण्टबैटन योजना तथा स्वतन्त्रता की सहवर्ती परिस्थितियाँ; भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन के उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण तथा सर्वेक्षण।

8- *प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण तथा संवैधानिक विकास* : रियासतों का समायोजन; संविधान सभा का कृतित्व तथा 1950 के संविधान की प्रमुख विशेषताएँ।

9- *आर्थिक परिदृश्य* : ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के आर्थिक प्रभाव का सिंहावलोकन (प्रायः 1900–1947); स्वतन्त्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था तथा सरकार की आर्थिक नीति।

10- *सामाजिक सन्दर्भ* : दलितों एवं अन्य पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में सामाजिक परिस्थितियों की समीक्षा (प्रायः 1900–1947); सरकार की सामाजिक नीति।

11- *पुनरावालोकन* : स्वतन्त्रता आन्दोलन के आदर्श एवं मूल्य; महात्मा गाँधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद एवं डॉ0 अम्बेडकर के योगदान।

संस्तुत पुस्तकें :

1. Bipan Chandra, Mridula Mukherjee, K.N. Panikkar, Aditya Mukherjee, Sucheta Mahajan : *India's Struggle for Independence, 1857*-1947.
   बिपन चन्द्रा, मृदुला मुखर्जी, के0एन0 पणिक्कर, आदित्य मुखर्जी, सुचेता महाजन : *भारत का स्वतन्त्रता संघर्ष,* 1857–1947.
2. A.R. Desai : *Social Background of Indian Nationalism*
   ए0आर0 देसाई : *भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि*
3. Sumit Sarkar % *Modern India 1885-1947*
   सुमित सरकार : *आधुनिक भारत 1885–1947*
4. Sekhar Bandyopadhyay : *From Plassey to Partition: A History of Modern India*
   शेखर बद्योपाध्याय : पलासी से विभाजन तक : आधुनिक भारत का इतिहास
5. R.C. Majumdar, H.C. Raychaudhuri and Kalikinkar Datta : *An Advanced History of India*
   रमेश चन्द्र मजूमदार, हेमचन्द्र रायचौधुरी व कालिकिंकर दत्त : *भारत का बृहत् इतिहास*
6. सत्या राय : *भारत में साम्राज्यवाद और राष्ट्रवाद*
7. राम लखन शुक्ला : *आधुनिक भारत का इतिहास*
8. T.G. P. Spear : *The Oxford History of Modern India*
9. R.C. Majumdar (ed.) : *British Paramountcy and the Indian Renaissance, Parts I & II and Struggle for Freedom (Vols. IX, X & XI of The History and Culture of the Indian People)*
10. Ramachandra Guha (ed.) : Makers of Modern India

12- Shekhar Bandyopadhyay: *Nationalsit Movement in India, A Reader*.

13- Mushirul Hasan : *Nationalism and Communal Politics in India, 1885-1930*

बी०ए० तृतीय भाग (क्रमशः)

प्रश्नपत्र तृतीय (ख)

मध्यकालीन भारत, 1526–1740

(यह प्रश्नपत्र केवल आधुनिक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए है।)

इकाई 1 : मुगल साम्राज्य की स्थापना

1. 1206 से 1526 के मध्य भारत के राजनीतिक घटनाक्रम का संक्षिप्त सर्वेक्षण।
2. बाबर के आक्रमण के समय भारत की दशा।
3. पानीपत, खानुआ एवं घाघरा के युद्ध तथा बाबर की सैनिक उपलिब्धयाँ।
4. प्रशासक के रूप में बाबर; भारत में उसकी विजय का महत्व एवं बाबर का योगदान।
5. हुमाँयू – प्रारम्भिक कठिनाइयाँ बहादुरशाह तथा शेरशाह से उसके सम्बन्ध; भारत से निष्कासन एवं साम्राज्य की पुनर्प्राप्ति।

इकाई 2 : सूर अन्तराल तथा अकबर का युग

1. शेरशाह : सत्तारोहण, प्रशासनिक सुधार; सूर राज्य का पतन।
2. अकबर का राज्यारोहण; प्रारम्भिक समस्याएँ, पानीपत का द्वितीय युद्ध, बैरम खाँ का संरक्षकत्व, 1556 से 1562 तक दरबारी राजनीति।
3. अकबर से अधीन मुगल साम्राज्य का विस्तार : उत्तरी भारत, दकन।
4. अकबर की धार्मिक एवं राजपूत नीतियाँ।
5. अकबर के प्रशासनिक सुधार, उसकी उपलब्धियों का मूल्यांकन, क्या वह मुगल साम्राज्य का वास्तविक निर्माता था?

इकाई 3 : मुगल साम्राज्य का वैभव काल (1605–1658)

1. जहाँगीर के अन्तर्गत मुगल साम्राज्य की राजनीति; नूरजहाँ की भूमिका।
2. राजपूतों एवं दक्षिणी राज्यों के साथ जहाँगीर के सम्बन्ध।
3. शाहजहाँ : दकन में विस्तार; राजपूतों से सम्बन्ध।
4. फारस के सफावी, मध्य एशिया के उजबेक एवं उसमानी तुर्क साम्राज्य के साथ शाहजहाँ के सम्बन्ध।
5. उत्तराधिकार का युद्ध – इसके कारण एवं घटनाएँ।

इकाई 4 मुगल साम्राज्य – चरमोत्कर्ष तथा संकट

1. औरंगजेब – राजपूत एवं धार्मिक नीतियाँ।
2. औरंगजेब – दक्षिण नीति एवं मराठों के साथ सम्बन्ध।
3. क्षेत्रीयता बनाम साम्राज्यवाद : औरंगजेब और जाट, सतनामी, बुन्देले।
4. औरंगज़ेबोत्तर समस्याएँ – नादिरशाह का आक्रमण।
5. मुगल साम्राज्य का पतन एवं औरंगजेब का उत्तरदायित्व।

इकाई 5 : मुगल काल का पुनरावलोकन

1. मुगलों के अन्तर्गत सांस्कृतिक विकास का विहंगम वृत्त।
2. मुगल उमरा वर्ग की संरचना एवं भूमिका।
3. मुगल प्रशासन – केन्द्रीय, प्रान्तीय, मनसबदारी प्रथा।
4. व्यापार एवं वाणिज्य – यूरोपीय वाणिज्यिक गतिविधियाँ।
5. मुगल कल के प्रमुख इतिहासकार।

संस्तुत पुस्तकें :

1. Rushbrook Williams : *An Empire Builder of the Sixteenth Century.*
2. R.P. Tripathi : *Rise and Fall of the Mughal Empire.*
3. Vincent Smith : *Akbar- The Architect of the Mughal Empire.*
4. Beni Prasad : *History of Jahangir.*
5. B.P. Saksena : *History of Shahjahan of Delhi*
6. J.N. Sarkar : *History of Aurangzeb, Vols I to V*
7. Zahiruddin Faruki : *Aurangzeb and his Times*
8. G.S.Sardesai : *New History of Marathas, Vols I & II*
9. Satish Chandra : *Medieval India, Part II.*
10. Harbans Mukhia : *The Mughals of India.*
11. हरिशचन्द्र वर्मा : *मध्यकालीन भारत।*
12. राम प्रसाद त्रिपाठी : *मुगल साम्राज्य का उत्थान और पतन।*